आज की मुरली का सार --------- Date: 01-06-2014

बाबा ने कहा, हरेक बच्चा वर्तमान समय में विश्व की सर्व आत्माओं में श्रेष्ठ हैं और भविष्य में भी विश्व द्वारा पूज्यनीयहैं. नंबरवार होते हुए भी लास्ट नंबर का मणका भी विश्व के आगे महान हैं. लास्ट नंबर के मणके को भी आज अन्त तकभक्त आत्मायें ऑखो पर रखती हैं क्योंकि लास्ट नंबर भी बापदादा के नयनों के तारे हैं.

बाबा ने कहा, एक बार भी मन से, सच्चे दिल से अपने को बाप का बच्चा निश्चय किया उस एक सेकंड की महिमा औरप्राप्ति बहुत बड़ी हैं. एक सेकंड में नाम संस्कार शूद्र से ब्राह्मण हो जाते हैं. संसार बदल जाता - संस्कार बदल जाते, दृष्टि,वृति, स्मृति सब बदल जाता एक सेकंड के खेल में. अगर हम अपना वह सेकंड को सदा याद रखेंगे तो सदा खुशी में नाचतेरहेंगे.

बाबा ने कहा, ये ऐक्स्ट्रा टाइम स्वयं के पुरुषार्थ प्रति नहीं लेकिन विश्व की आत्माओं के प्रति समय, गुण और खजानों कादान देने के लिए हैं. यह विशेष वर्ष ब्राह्मण आत्माओं के प्रति महादानी वरदानी बनने का हैं. अब अपना समय और सर्वप्राप्तियों, ज्ञान, गुण और शक्तियों विश्व की सेवा अर्थ समर्पण करो. हर संकल्प को सेवा प्रति अर्पण करने से स्वयंसम्पन्न सहज हो जायेंगे. परीक्षाओं को पास ऐसे करेंगे जैसे कुछ हैं ही नहीं. परीक्षा का नाम रूप बदल परीक्षा प्राप्ति कारूप बन जायेगी. माया शब्द से घबरायेंगे नहीं, सदा विजयी बनने की खुशी में नाचते रहेंगे.

बाबा ने कहा, बाकी रहा टाइम सदैव भक्त आत्माओं, भिखारी आत्माओं और प्यासी आत्माओं की सेवा में बितावो.प्यासी आत्माओं को ज्ञान अमृत पिलाकर उनकी प्यास बुझाओ. भिखारी आत्माओं को ज्ञान का, गुणों का और शक्तिओंका दान दो. और भक्त आत्माओं को भक्ति का फल भगवान को मिलने का मार्ग बतावो. समय का इन्तजार नहीं करोलेकिन तिनो प्रकार की आत्माओं को सम्पन्न बनाने का इन्तजाम में रहो.

बाबा ने कहा, सेवा में अथक बनकर लग जावो तो प्रत्यक्ष फल अनुभव करेंगे. भविष्य फल तो आपका निश्चित हैं हीलेकिन प्रत्यक्ष फल का अनुभव सुख सारे कल्प में नहीं मिलेगा इसलिए भक्तों की पुकार सुनो, रहमदिल बनो, महादानीबन, महान पुण्यात्मा का पार्ट बजावो.